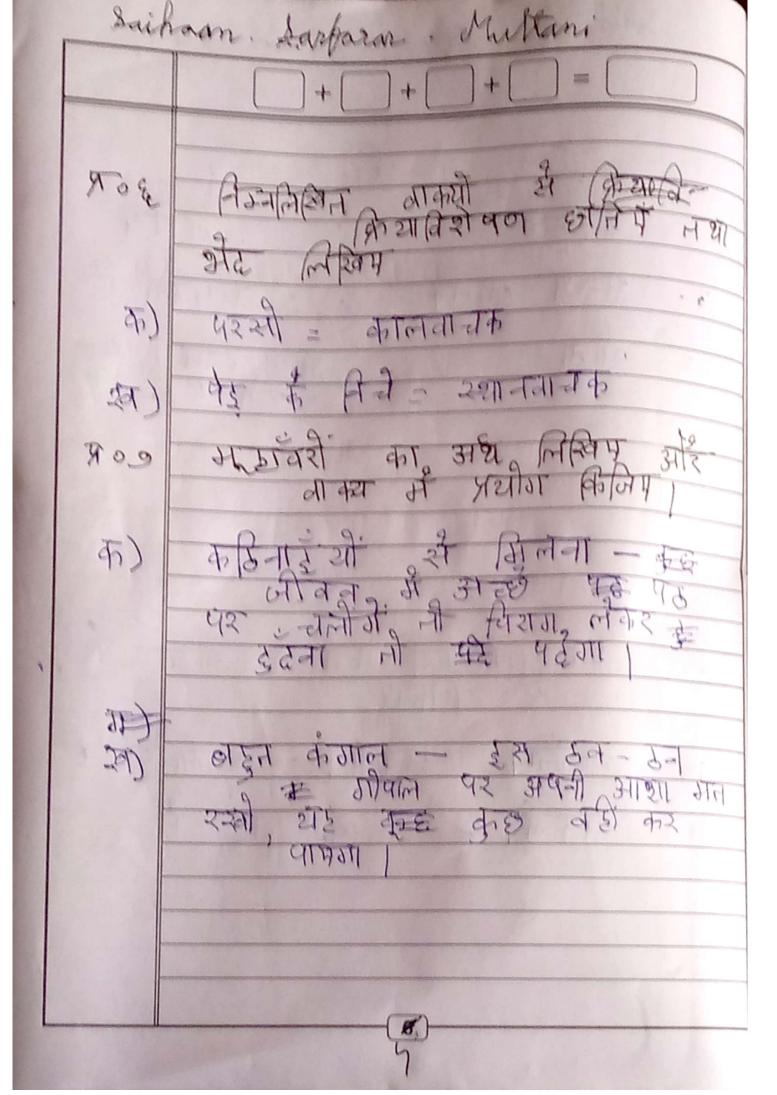
Roll No- 32 Saihaan · Sarfaraz · Multoni Class - 7F Hindi वैस्वलिखित अपिक मह्याश पदकर 4.21 प्रम्म का उन्तर दिल्म विद्यार्थी, कात्म आद्यार्शिला इंसीलिय के हाँ और जाता है क्योंकी उस काल भी जो सरकार जाते हैं अर्चे भी वह हमेशा असीत रहते हैं। 西. 中 अति श यीक्त 对. प्रिंस वृक्ष की भारंभ और वि श्रित श्रीत श्रीत के विष् प्रित , पर्व म पत्नवित होकर संसार कुकी सरिभ हैं वे JT. वेडिक विषय के पर्यां में से तकर 402. विवेह्न किविना से あ)

Bai	ham. Sarforan. Nultari
	0+0+0+0-
萩	- 10 10 10
***	गर्गी द्र होने से अंशीयों का संसाद अवेगा।
ता	गंहरी
११-१-क	इ संबी कि विन्हें किनिय
71	The state of the s
4)	परमा + ऑस्ट्र ऑपट = परमें पहा - विसीम - विसीम
	4
290	देव + आलय = हेवालय =
	है के संव
24)	शंधि संयोग
事)	मर्के अमेर अमेर
297)	-वर्ग्न ह्य
	t

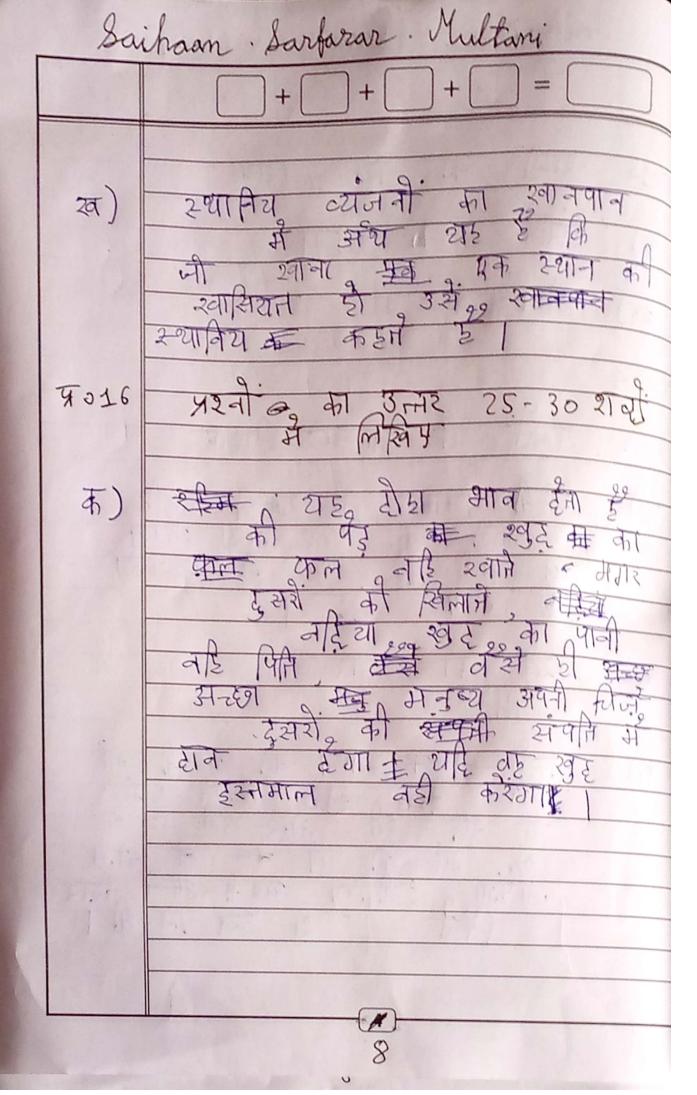
Saihoan. Sarfarar. Multani उत्हेंश्य और विद्येय छाति में 408 विद्येय उ इ हे श्य रीज पर्ना है अर्थी जालक सीता ओज पक्रवीन क्षेत्र र्व. किया किस के आधार पर 40 J. लिखिप अक्रमक सकर्मक = श्वीला २, ही है 西少 अक्सक = भी गई है २व)

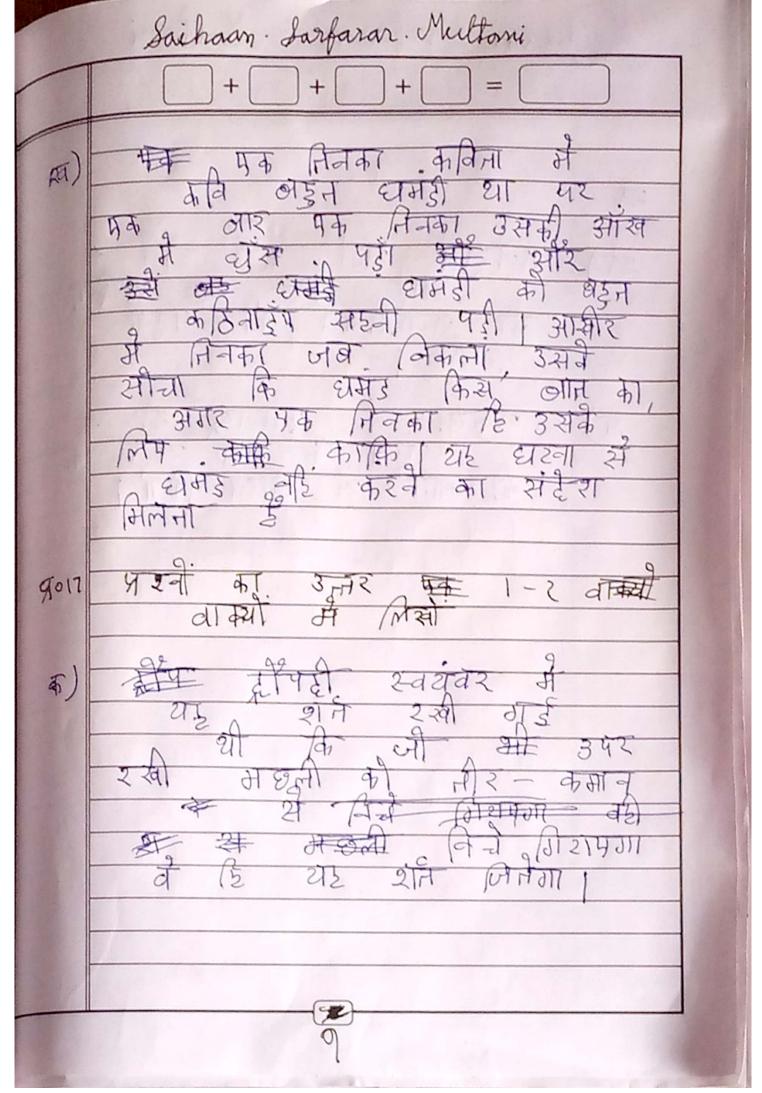


Saihaan. Sarforar - Multani िक्त स्थान प्रारिष हिना FOR कृती का प्त्र, कान 事) अंतय िंग 27) 11) घालन, मरक स) 31 ग्रे ही स्री भिलान किनिप 709 五) S (在) T) स्र)

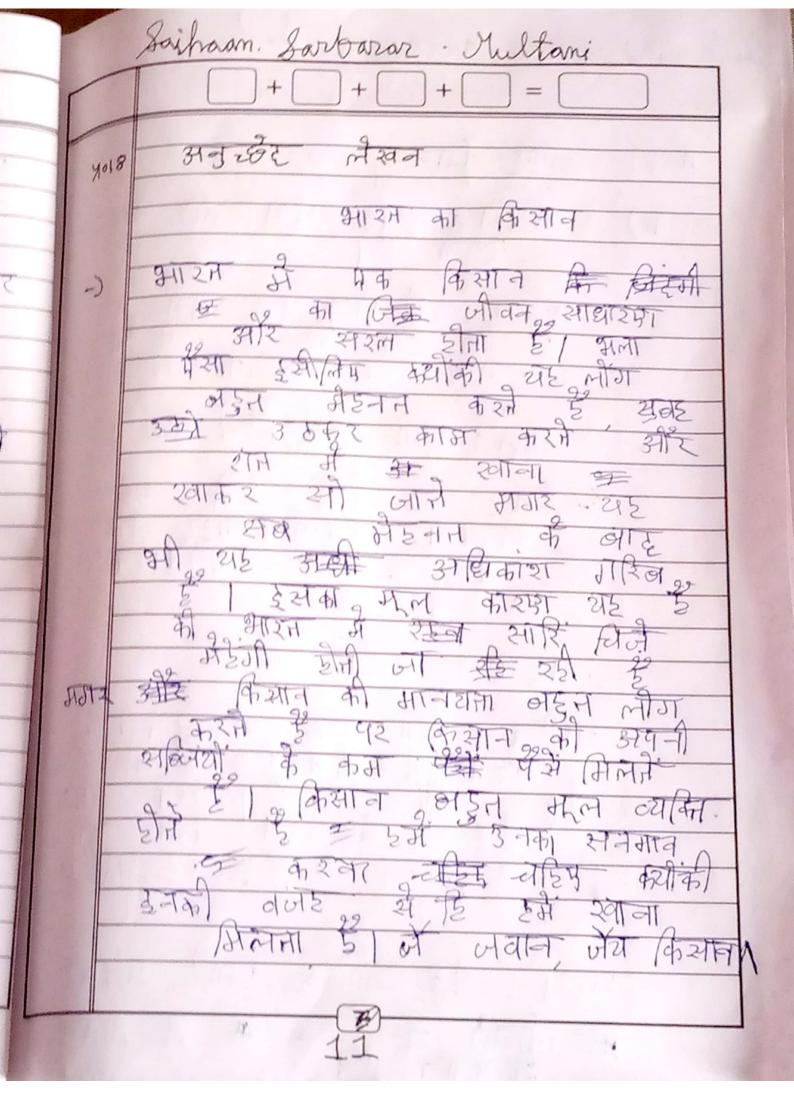
	Saihaan, Sarfaran Multani
	+ + + = =
7010	पर्यायवाची शब्द लिखिष
事)	पवित्र, विलप
ज 011	लिखों के लिम वाक्यांश
4)	अन्य गार करने वाला
হৰ)	सिंड बोलने वाला
त्र ० 1 2	त्रिविष
(本)	218
每)	गतन
11)	ग्रात्स
धः)	गलन

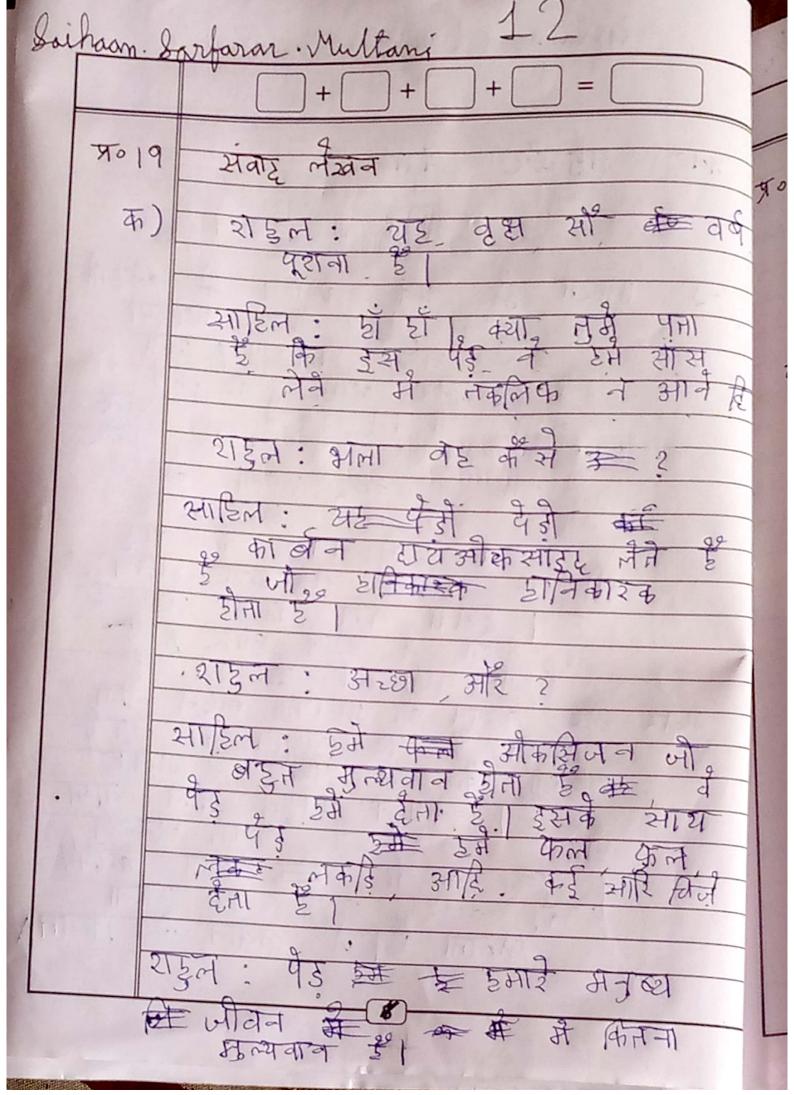
Saihaan - Sarfarar - Multanj शबीं का अध निश्चिम क) संतील धेना धेना प्राध्य के वाज्य लिखिप उत्तरी इंतज़ार कि भेंदी भीरी गारी की पर मेरी शास्स अब में दूरमारस प्रश्नी की उत्तर 15-20 शब्द में 9015 नीली - वान को अपनी माँ 丽) आ रही थी और उसे हर था की मां की पान अपनी अस्ति नज़र





Sailman. Sarfaran Multani		
	+ + + = =	
森		
व्य)	राजस्य यम ५ व होने के बार् बार् यम पूर्व होने के बार् यम यह यह यह यह विद्यार की श्रामित की श्रामित की भी	
JT)	शक्ती में ध्राध्य की ह	
	10	





Sai	haan. &	orforar. Multani 12
		+ + + =
	प्र019	संबार् लेखन
	ক)	शहल: यह वृष्टा भी कि वर्ष
		प्रांता है। साहिल: घूँ घूँ क्या नुमें प्रां है कि डेस पुर ने धूम साम लेने में नक्लिफ ने आने है
		शहल: भामा वह के से ३ ?
		साहित: यह पेड़ी पेड़ी की केंद्र कु का बन राय औक सार्र् नैते हैं रे जो कु शिनिकारक रीता है।
		. शहल : अच्छा अरि?
	• • • • • • • • • • • • • • • • • • • •	भारित : १ की किस अकिश्वित की के अहत की ति की किस क
1		शहल : पैड क्रा के अनुख
	1	म जीवन के में मितना

